PLATEAU

By

Prof. Sanjay Kumar

PROF. & HOD

P.G.DEPTT OF GEOGRAPHY

M.B.R.R.V.Pd.SINGH COLLEGE

(MAHARAJA COLLEGE), ARA

204/ unit-1

PART-1

FOT CUET/ NET/INTERVIEWS

पठार

- **पठार** –धरातल की वह आकृति जो 500 फीट से अधिक ऊंचाई वाला हो, आधार और शीर्ष दोनों चौड़ा हो तथा जिसका किनारा तीव्र ढाल वाला हो, पठार कहलाता है। उदाहरण के लिए- तिब्बत का पठार, अनातोलिया का पठार आदि। भारत में दक्कन पठार, छोटा नागपुर पठार, मेघालय पठार, मालवा पठार, तेलंगाना पठार, बघेलखंड पठार और बुंदेलखंड पठार है। विश्व का सबसे ऊंचा पठार पामीर का पठार है । इसको दुनिया की छत भी कहते हैं। विश्व के प्रमुख पठारों में तिब्बत का पठार, मंगोलिया का पठार, एशिया माइनर का पठार, अरब का पठार, अनातोलिया का पठार, यून्नान का पठार, आस्ट्रेलिया का पठार शामिल हैं। विश्व का सबसे पुराना पठार गुयाना हाइलैंड्स माना जाता
- है। यह दक्षिण अमेरिका के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित है।

पठारों के प्रकार

विश्व में कई पठार पाए जाते हैं जिसके कई प्रकार हैं।

1. **अंतर्पर्वतीय पठार**
2. **पर्वतपदीय पठार**
3. **महाद्वीपीय पठार**
4. **लावा पठार**
5. **अपरदित पठार**

अंतर्पर्वतीय पठार –

- दो पर्वतों के बीच मिलनेवाले पठार को अंतर्पर्वतीय पठार कहा जाता है।
- **तिब्बत का पठार** – हिमालय और कुनलुन पर्वत के बीच 4000 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।
- **अनातोलिया का पठार-** टर्की में उत्तर में टॉरस पर्वत और दक्षिण में पुनेटिक हिल के बीच स्थित है।
- **मैक्सिको का पठार** – पूरब में पूर्वी सियरा नेवेदा और पश्चिम में सियरा मेड्रे के बीच स्थित है।
- **बोलिविया का पठार** – पूर्वी एंडीज और पश्चिमी एंडीज के बीच स्थित है।इसी पठार पर लेक टीटीकाका है।
- **कोलंबिया का पठार** – रॉकी पर्वत के मेन रेंज और केस्केड रेंज के बीच स्थित है।
- **अलास्का का पठार –** ब्रुक्स रेंज और अलास्का रेंज के बीच स्थित है।
- ग्रेट बेसिन का पठार – सियरा नेवेदा और मेन रेंज के बीच स्थित है।
- **ईरान का पठार** – एल्ब्रुर्ज और जैग्रोस पर्वत के बीच स्थित है।
- **गोबी का पठार** – मंगोलिया अल्ताई,खांगई पर्वत और तिब्बत पठार के मध्य स्थित है।

- बोलिविया का पठार धात्विक खनिजों के लिए प्रसिद्ध है।
- वॉन झील अनातोलिया के पठार पर स्थित है।
- अनातोलिया का पठार बकरी पालन के लिए प्रर्सिद्ध है।
- तिब्बत का पठार को विश्व की छत के रूप में जाना जाता है।
- दक्कन का पठार बेसाल्ट लावा से बनी पठार है।

पर्वतपदीय पठार –

- **पर्वतपदीय पठार**
- पर्वतों के निचले भाग यानी पद में विकसित पठार को पर्वतपदीय पठार कहा जाता है। उदाहरण के लिए- रॉकी पर्वत की तलहटी में कोलोरेडो का पठार, एंडीज के किनारे पेटागोनिया का पठार और चीन में यून्नान रेंज के नीचे दक्षिण में शान पठार तथा अप्लेशियन और पूर्वी तटीय मैदान के बीच पीडमौंट पठार ।

महाद्वीपीय पठार

- **महाद्वीपीय पठार**
- पेंजिया, मूल स्थलखंड के वर्तमान अवशिष्ट खंड, जो विभिन्न महाद्वीपों में फैले हैं, महाद्वीपीय पठार कहलाते हैं।
- उदाहरण के लिए- भारतीय प्रायद्वीप का पठार, पश्चिमी आस्ट्रेलिया का पठार, ब्राजील का पठार, अप्लेशियन पठार, केनेडियन शील्ड, और साइबेरिया का पठार ।

अपरदित पठार

- **अपरदित पठार** – कुछ पठार ऐसे भी हैं ,जिनका विकास या निर्माण काफी प्राचीन है| लंबे समय तक अपरदन के कारकों के प्रभाव से घिस गए हैं| ये पठार मूल रूप न होकर अपरदित रूप में हैं और भूसंचलन का जबर्दस्त प्रभाव इनपर देखने को मिलता है|
- उदाहरण के लिए- स्कॉटलैंड का पठार, कटांगा का पठार, स्कैन्डेनेविया का पठार, अप्लेशियन का पठार, क्यूबेक का पठार, कोलोरेडो का पठार, विन्ध्यन पठार, पोतवार का पठार, मेघालय का पठार ऐसे ही अपरदित पठार हैं|

लावा पठार

- कुछ पठार ऐसे भी हैं जो लावा के जमाव से बने हैं , लावा पठार कहलाते हैं। उदाहरण के लिए – दक्कन का पठार, कोलंबिया का पठार, पूर्वी-अफ्रीकी उच्च भूमि, ब्राजील स्थित पराना पठार, आयरलैंड का एन्ट्रीम पठार। केन्द्रीय उद्गार से निकले लावा के ठंडा होकर बने पठारों में ग्रेनाइट तथा दरारी उद्भेदन से निकले लावा के ठंडा होकर बने पठारों में बेसाल्ट चट्टान की प्रमुखता होती है ।

पठारों की विशेषताएँ-

- **पठारों की विशेषताएँ-**
- पठारों पर खनिज संसाधनों की प्रचुरता मिलती है।
- नदियों के ऊँचाई से गिरने पर यहाँ झरने भी देखने को मिलते हैं।
- कोयला,सोना, हीरा, लोहा, तांबा, अभ्रक और मैंगनीज जैसे खनिज पठारों में प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।
- लावा पठारों पर ग्रेनाइट और बेसाल्ट जैसे पत्थर मिलते हैं।
- दक्कन ट्रैप की काली मिट्टी कपास की खेती के लिए अत्यधिक उपजाऊ और उपयुक्त है।
- खनिज और जलप्रपातों की उपस्थिति के कारण पठार सुंदर दृश्य प्रदान कर पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।
- पठारों में खनन गतिविधि और क्रियाकलाप अधिक पाया जाता है।

बिहार के पठारी भाग

- बिहार के दक्षिणी सीमांत क्षेत्र में पठारी भाग देखने को मिलता है। रोहतास का पठार या कैमूर का पठार यहीं पर है। पठारी प्रदेश का फैलाव बिहार में बांका जिला से लेकर दक्षिण-पश्चिम में कैमूर जिला तक है। यह कठोर चट्टानों से बना पठार है।जिसमें चूना पत्थर, ग्रेनाइट, नीस और शिष्ट चट्टानें पाई जाती है। दक्षिणी पठारी क्षेत्र विशेषकर कैमूर और रोहतास के क्षेत्रों में बुलथर मिट्टी पाई जाती है। इन पठारों के बीच-बीच मे कई पहाड़ियाँ मिलती हैं जिनमें गया जी में प्रेतशिला, रामशिला, ब्रह्मयोनि और जेठियन पहाड़ियाँ हैं। बांका जिले में मंदार पर्वत है। जहानाबाद जिला में बराबर की पहाड़ी है। विपुलगिरि, वैभवगिरी, सोनगिरि, उदयगिरि और रत्नागिरि पहाड़िया राजगीर में हैं। औरंगाबाद , खड़गपुर, शेखपुरा, बिहार शरीफ और जमालपुर में भी पहाड़िया देखने को मिलती हैं।
-

पठार

-

धन्यवाद